The Park Bench

Fumiko Takeshita

Mamoru Suzuki

पार्क की बेंच

फुमिको ताकेशिता

मोमरू सुज़ुकी



The Park Bench

Fumiko Takeshita

Mamoru Suzuki

पार्क की बेंच

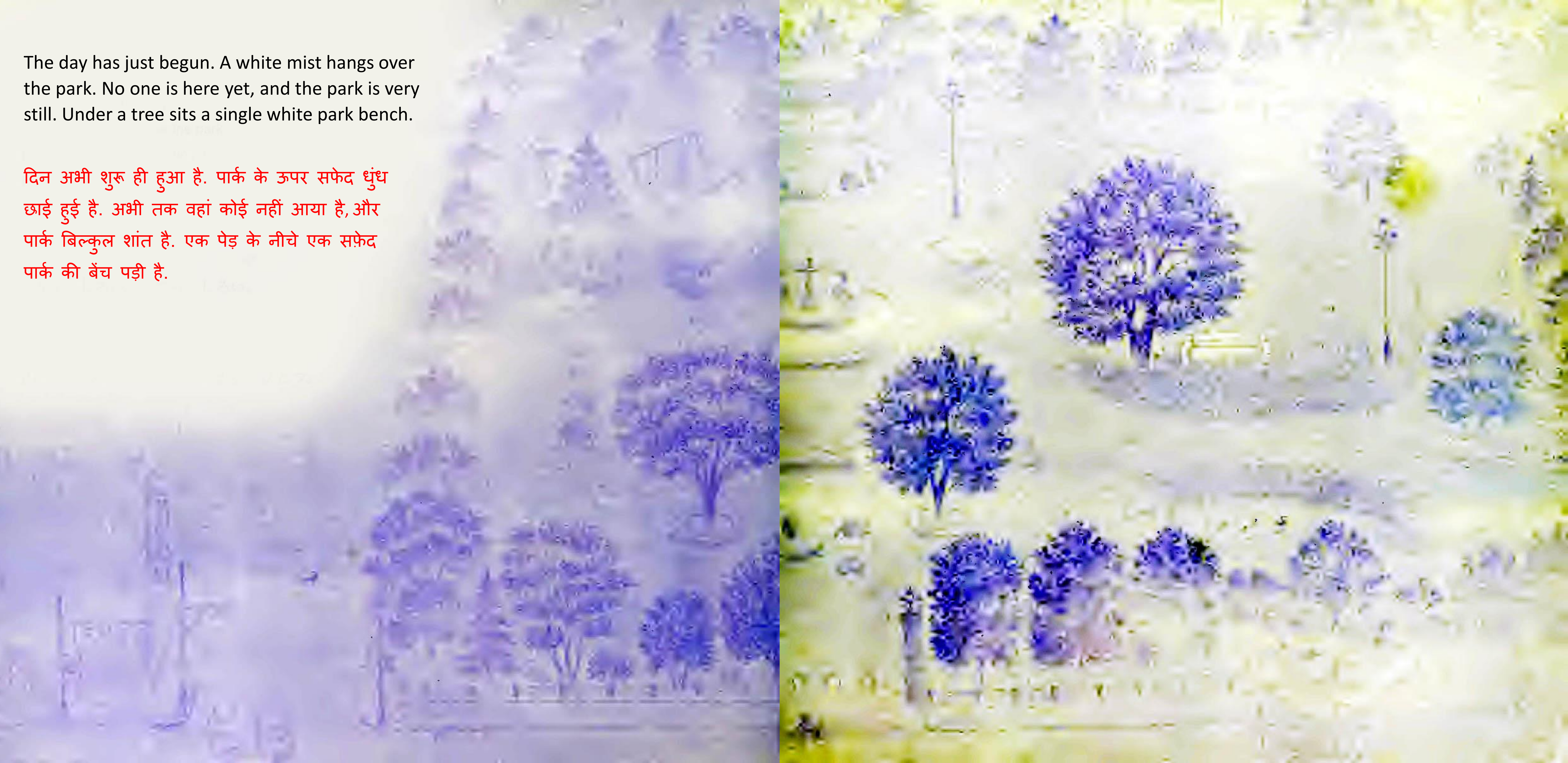
फुमिको ताकेशिता

मोमरू सुजुकी



The day has just begun. A white mist hangs over the park. No one is here yet, and the park is very still. Under a tree sits a single white park bench.

दिन अभी शुरू ही हुआ है. पार्क के ऊपर सफेद धुंध छाई हुई है. अभी तक वहां कोई नहीं आया है, और पार्क बिल्कुल शांत है. एक पेड़ के नीचे एक सफ़ेद पार्क की बेंच पड़ी है.





The early risers are the first to arrive. Some do exercises. Others walk their dogs. The white bench is just now waking up. Look, here comes the park worker in his little motor cart.

जल्दी उठने वाले लोग सबसे पहले पार्क में आते हैं. कुछ व्यायाम करते हैं. अन्य लोग अपने कुत्तों को घुमाते हैं. सफ़ेद बेंच अभी बस नींद से जाग रही है. देखो, पार्क का कर्मचारी अपनी छोटी मोटरगाड़ी में आता है.

"Good morning, my dear park bench," says the worker. "It's cleaning day for the park," and he gives the bench a friendly little pat.

Children pass by on their way to school. Adults pass by on their way to work. The town is becoming lively.

"नमस्ते, मेरी प्रिय पार्क बेंच," कर्मचारी कहता है. "आज पार्क में सफाई का दिन है," और फिर वो बेंच को एक दोस्ताना तरीके से थपथपाता है.

बच्चे स्कूल जाते समय वहां से गुजरते हैं. वयस्क लोग काम पर जाते समय वहां से गुजरते हैं. शहर जीवंत होता जा रहा है.







Here comes an old man taking his walk.

He moves very slowly, leaning on his cane.

He stops to smell the flowers and then to feed the birds.

He's not in any hurry.

"Now it's time for a rest," says the old man.

He sits on the white bench.

"The perfect bench in just the right place," he thinks

फिर एक बूढ़ा आदमी टहलता हुआ आता है.

वो अपनी छड़ी के सहारे बहुत धीरे-धीरे चलता है.

वो फूलों को सूंघने और फिर पक्षियों को दाना डालने के लिए रुकता है.

वो किसी जल्दी में नहीं है.

बूढ़े आदमी ने कहा, "अब आराम करने का समय हो गया है."

फिर वो सफेद बेंच पर बैठ जाता है.

वो सोचता है, "मैं बिल्कुल सही जगह पर और बिल्कुल सही बेंच पर बैठा हूं."













Along comes a mother and her baby.

"Let's sit in the sun," she says.

"The white bench is bathed in sunlight.“

"Da, da," the baby babbles.

"Goo, goo," the old man replies.

What can they be talking about?

फिर एक माँ अपने बच्चे के साथ आती है.

माँ कहती है, "चलो धूप में बैठते हैं."

"सफ़ेद बेंच, सूरज की रोशनी से नहाई हुई है."

"दा-दा," बच्चा बड़बड़ाता है.

"गू-गू," बूढ़ा जवाब देता है.

वे न जाने क्या बातें कर रहे हैं?





Friends meet at the park.

The two mothers begin to chat.

They talk on and on.

Chitter-chatter, chitter-chatter, until it's time to eat.

All the while the white bench listens quietly.

दोस्त पार्क में मिलते हैं.

दो माताएं बातचीत करती हैं.

वे बहुत देर तक बातें करती हैं.

बक-बक, बक-बक, बक-बक, फिर खाने का समय हो जाता है.

पूरे समय सफेद बेंच चुपचाप उनकी बातें सुनती है.





It's lunch time. The park worker eats under a large tree.

Here come the cats and the birds.

"Okay, my little friends. I'll give you some food," he says.

"But, oops, don't make the bench dirty."

अब भोजन का समय है. पार्क कर्मचारी एक बड़े पेड़ के नीचे अपना खाना खाता है.

फिर वहां बिल्लियाँ और पक्षी आते हैं.

"ठीक है, मेरे छोटे दोस्तों. मैं तुम्हें भी कुछ खाना दूँगा," वो कहता है.

"लेकिन, देखो बेंच को गंदा मत करना."

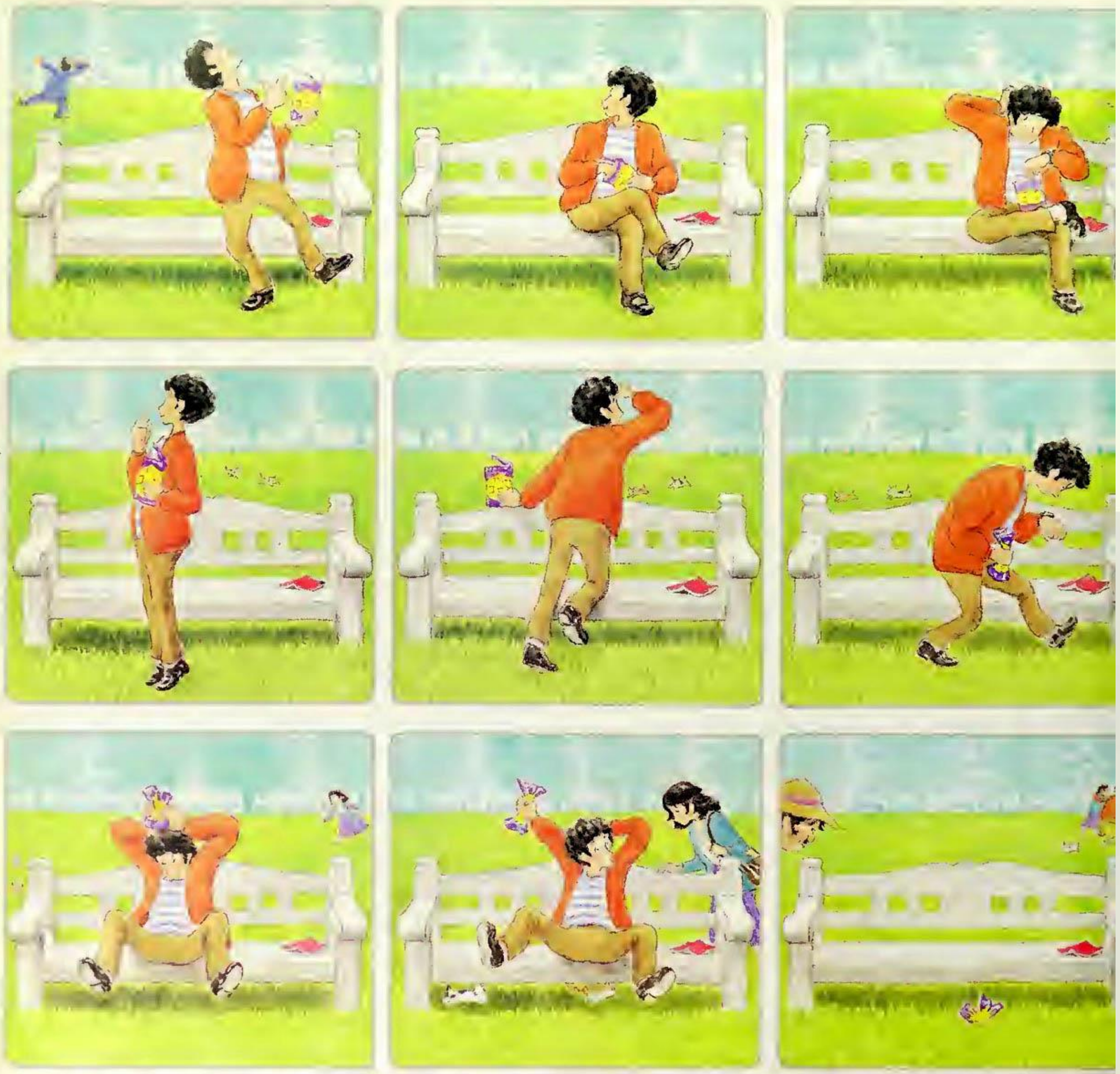






During the noon hour, lots of people come to the park to relax.
“This park bench is my favourite spot for a nap," says a man. A gentle breeze is blowing, and the park bench begins to feel drowsy, too.

दोपहर के समय बहुत से लोग आराम करने के लिए पार्क में आते हैं. एक आदमी कहता है, "पार्क की यह बेंच झपकी लेने के लिए मेरी पसंदीदा जगह है." हल्की हवा चल रही है और फिर पार्क बेंच को भी नींद आने लगती है.



A young man waits for his friend who is late.

"Let's meet in the park, at the white bench,"

they had agreed. "But now, where can she be?"

("Wait, who left a book on the bench?" the park worker wonders.)

एक युवक अपनी दोस्त का इंतजार कर रहा है.

"चलो पार्क में मिलेंगे, सफ़ेद बेंच पर,"

वे राज़ी होते थे. "लेकिन अब, उसकी दोस्त कहाँ हो सकती है?"

("रुको, बेंच पर किताब किसने छोड़ी है?" पार्क कर्मचारी आश्चर्य करता है.)



Here comes a group of children running to the park.

This is the liveliest time of day.

"What are we going to play today?" asks one child.

"Let's talk it over."

फिर बच्चों का एक समूह पार्क में दौड़ा हुआ आता है.

अब दिन का सबसे जीवंत समय है.

"आज हम क्या खेलेंगे?" एक बच्चा पूछता है.

"चलो उसे बात करके तय करते हैं."







All of a sudden the white bench becomes a house. Now it's a castle, then an island, now a boat. Now a train. Then a station.

And then, it's even a park bench again!

अचानक सफेद बेंच एक घर बन जाती है. फिर वो एक महल, एक द्वीप, एक नाव बन जाती है.

फिर एक ट्रेन और एक स्टेशन. अचानक वो फिर से एक पार्क की बेंच बन जाती है!

Plip plop, plip plop . . .

"Uh-oh, here it comes," says the worker to himself.

Suddenly, it begins to rain. Everyone runs for shelter.

Everyone except, of course, the white bench.

टप!....टप! ....टप!....

"ओह, यह क्या बूंदें!" सफाई कर्मचारी कहता है.

अचानक बारिश होने लगती है. हर कोई आश्रय खोजने के लिए दौड़ता है.

बेशक, सफेद बेंच को छोड़कर हर कोई.





The rain has stopped.

Now the sky is bright.

The wet flowers and grass glisten.

"You're soaking wet," says the park worker

to the bench, as he gently wipes it dry.

"You're a fine bench in spite of your age," he says.

"I know you'll last for a long, long time."

अब बारिश रुक गयी है.

अब आसमान फिर से उजला है.

गीले फूल और घास चमक रही है.

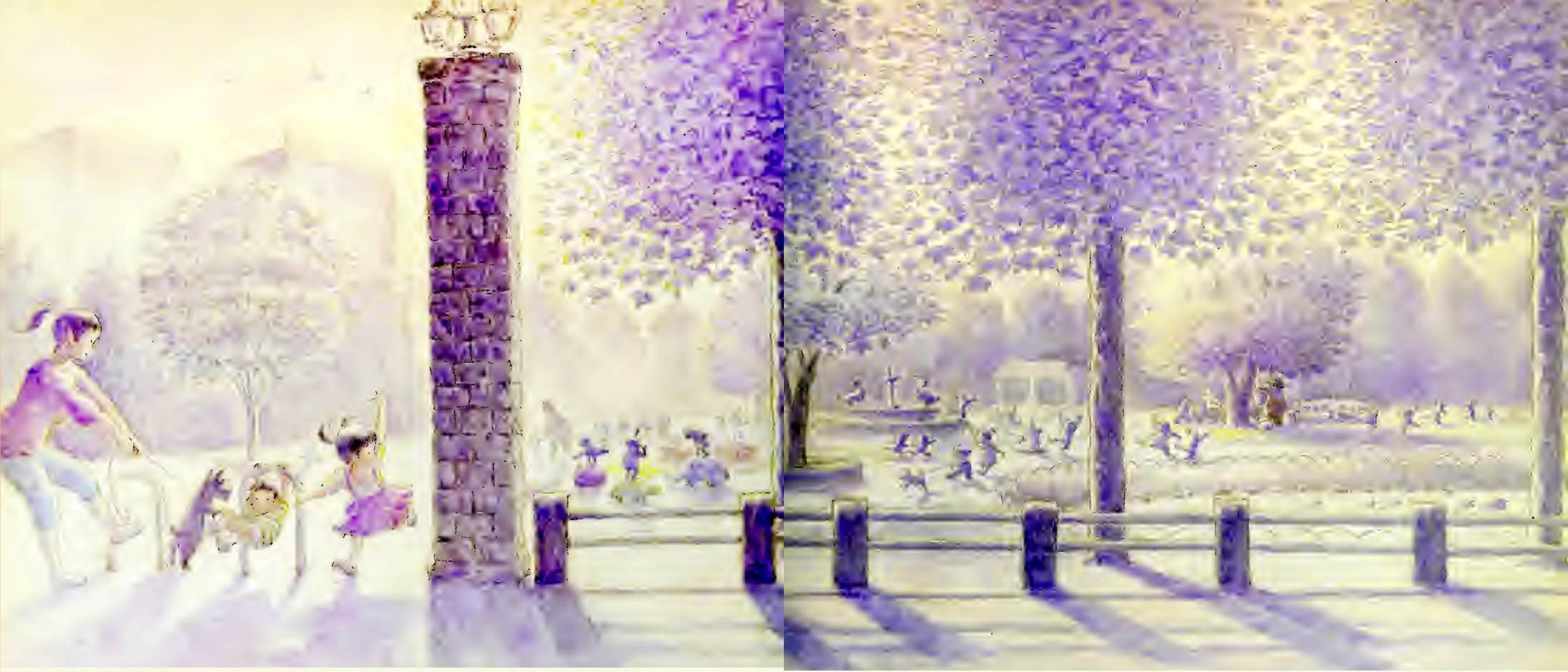
पार्क कर्मचारी बेंच से कहता है, "तुम भीग गई हो."

फिर वो उसे धीरे से पोंछकर सुखाता है.

कर्मचारी कहता है, "अपनी उम्र के बावजूद तुम एक बेहतरीन बेंच हो."

"मुझे पता है कि तुम लंबे समय तक टिकी रहोगी."





Now the day is ending. The air becomes chilly. Children wave to each other as they leave for home. The white park bench is perfectly still in the twilight.

अब दिन ढल रहा है. हवा ठंडी होती जाती है. घर वापिस जाते समय बच्चे एक-दूसरे की ओर हाथ हिलाते हैं. सफ़ेद पार्क की बेंच गोधूलि के समय बिल्कुल शांत है.

When the lights go on in the town, the worker's day is done.

"Good night, my dear white bench," he says.

"You must be very tired. I'll see you tomorrow."

He turns on the lights of his little motor cart and drives home.

जब शहर में रोशनी जलती है, तब सफाई कर्मचारी का दिन पूरा हो जाता है.

"शुभ रात्रि, मेरी प्रिय सफेद बेंच," वो कहता है.

"आज तुम बहुत थक गई होगी. मैं तुमसे कल मिलूंगा."

वो अपनी छोटी मोटरगाड़ी की लाइटें जलाता है और फिर घर चला जाता है.



The park is covered with darkness.

Stars twinkle in the sky.

No one is here now, and the park is very still.

Under a tree sits a single white park bench.

Good night.

पार्क में अंधेरा छा गया है.

आकाश में तारे टिमटिमाते हैं.

अब पार्क में कोई नहीं है, और पार्क बिल्कुल शांत है.

एक पेड़ के नीचे एक सफ़ेद पार्क बेंच लेटी है.

शुभ रात्रि.



End


花や木を
たいせつに